



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

17 कार्तिक 1939 (श10)

(सं0 पटना 1041) पटना, बुधवार, 8 नवम्बर 2017

गृह विभाग
अभियोजन निदेशालय

अधिसूचना
25 अक्टूबर 2017

सं० अ0नि0(02)10/2013(नि0सं0)-1137—श्री वीरेन्द्र प्रसाद चौधरी, तत्कालीन सहायक अभियोजन पदाधिकारी, जिला अभियोजन कार्यालय, बिहारशरीफ(नालन्दा) को जिला अभियोजन पदाधिकारी, बिहारशरीफ(नालन्दा) के पत्रांक 583 दिनांक 30.08.2013 एवं पत्रांक 596 दिनांक 11.09.2013 तथा जिला पदाधिकारी, बिहारशरीफ(नालन्दा) के पत्रांक 732 दिनांक 16.05.2013 के आलोक में पूर्ण विचारोपरान्त अपने कर्तव्य से अनधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने के आरोप में अभियोजन निदेशालय की अधिसूचना ज्ञापांक 960 दिनांक 09.10.2013 द्वारा तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए इनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही प्रारम्भ करने का निर्णय लिया गया तथा संयुक्त विभागीय जाँच आयुक्त, गया को संचालन पदाधिकारी नियुक्त किया गया।

संयुक्त आयुक्त (विभागीय जाँच) मगध प्रमण्डल, गया-सह-संचालन पदाधिकारी के पत्रांक 2147 दिनांक 01.09.2014 द्वारा विभागीय कार्यवाही सम्पन्न कर जाँच प्रतिवेदन समर्पित किया गया, जिसमें श्री चौधरी के विरुद्ध दिनांक 01.05.2013 से 28.09.2013 तक अनधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने का प्रपत्र 'क' के आरोप को प्रमाणित पाया गया। फलतः संचालन पदाधिकारी के जाँच प्रतिवेदन से सहमत होकर लिये गये निर्णय के आलोक में श्री चौधरी से द्वितीय कारण पृच्छा की माँग की गई। श्री चौधरी के पत्रांक 2026 दिनांक 06.06.2015 द्वारा समर्पित द्वितीय कारण पृच्छा के जवाब में संचालन पदाधिकारी के जाँच प्रतिवेदन को अविश्वनीय, असत्य, ठोस एवं प्रमाणित तथ्यों पर आधारित नहीं होने, भ्रामक, आरोपित पदाधिकारी के द्वारा समर्पित कार्य विवरणी को अनदेखा करने, जिला अभियोजन पदाधिकारी, नालन्दा द्वारा दिनांक 09.05.2013 से 10.05.2013 (दो दिन का) आकस्मिक अवकाश स्वीकृत करने, अवकाशोपरान्त तथा न्यायालय से जमानत मिलने पर पुनः योगदान स्वीकृत करने, सही तथ्यों को छुपाकर अवकाश आवेदन देने के संचालन पदाधिकारी का कथन गलत होने आदि का तथ्य प्रस्तुत किया गया है।

श्री चौधरी द्वारा प्रस्तुत उपर्युक्त तथ्यों की समीक्षा सरकार के स्तर पर किये जाने के उपरान्त श्री चौधरी द्वारा द्वितीय कारण पृच्छा के उत्तर में कोई नया तथ्य एवं साक्ष्य समर्पित नहीं किये जाने तथा संचालन पदाधिकारी के द्वारा जाँच प्रतिवेदन में श्री चौधरी के विरुद्ध जालसाजी एवं तथ्यों को छुपाकर अवकाश आवेदन पत्र दिये जाने तथा दिनांक 01.05.2013 से 28.09.2013 तक अनधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने का लगाया गया आरोप प्रमाणित पाये जाने के फलस्वरूप श्री चौधरी के पत्रांक 2026 दिनांक 06.06.2017 द्वारा समर्पित द्वितीय कारण पृच्छा के उत्तर को सम्यक् विचारोपरान्त अस्वीकृत करते हुए श्री चौधरी को बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम-14 के तहत "दो वेतन वृद्धियाँ संचयात्मक प्रभाव से अवरुद्ध किये जाने का दण्ड अधिरोपित करने एवं

निलम्बन अवधि में अनुमान्य जीवन निर्वाह भत्ता के अतिरिक्त कुछ भी देय नहीं होगा" का दण्ड अधिरोपित किया गया है। दण्ड के बिन्दु पर बिहार लोक सेवा आयोग की सहमति प्राप्त है। साथ ही, सरकार द्वारा सम्यक् विचारोपरांत दण्ड अधिरोपित करते हुए श्री चौधरी को निलम्बन से मुक्त करने का निर्णय लिया गया है।

उक्त निर्णय एवं परामर्श के आलोक में श्री वीरेन्द्र प्रसाद चौधरी, तत्कालीन सहायक अभियोजन पदाधिकारी, बिहारशरीफ(नालन्दा) सम्प्रति निलंबित को अधिसूचना निर्गत की तिथि से निलम्बन से मुक्त करते हुए "दो वेतन वृद्धियाँ संचयात्मक प्रभाव से अवरुद्ध किये जाने का दण्ड अधिरोपित किया जाता है एवं निलम्बन अवधि में जीवन निर्वाह भत्ता के अतिरिक्त कुछ भी देय नहीं होगा" का दण्ड श्री चौधरी को संसूचित करते हुए इस विभागीय कार्यवाही को निष्पादित किया जाता है।

श्री चौधरी को निदेश दिया जाता है कि अभियोजन निदेशालय, बिहार, पटना में अपना योगदान अविलम्ब समर्पित करेंगे।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
ईश्वर चन्द्र सिन्हा,

सरकार के संयुक्त सचिव-सह-संयुक्त निदेशक।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित,
बिहार गजट (असाधारण) 1041-571+10-डी0टी0पी0।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>